aglasem.com

FOR UP CLASS 11 PREPARATION

UP Board Class 11 Syllabus 2027 Business Studies

EXAM	YEAR	TYPE	SUBJECT
UP Class 11	2027	Syllabus	Business Studies

शैक्षिक सत्र-2026-27

कक्षा- 11

वाणिज्य वर्ग

व्यवसाय अध्ययन

100 अंक

		भारांश
भाग-1. व्यवसाय के आधार-		
इकाई-1		16
(i)	व्यवसाय, व्यापार और वाणिज्य	
(ii)	व्यवसायिक संगठन के स्वरूप	
इकाई-2		16
(i)	निजी, सार्वजनिक एवं भूमंडलीय उपक्रम	
(ii)	व्यावसायिक सेवाएँ	
इकाई-3		16
(i)	व्यवसाय की उभरती पध्दतियाँ	
(ii)	व्यवसाय का सामाजिक उत्तरदायित्व एवं व्यावसायिक नैतिकता	
भाग-2. व्यावसायिक संगठन, वित्त एवं व्यापार-		
इकाई-4		
16		
(i)	कंपनी निर्माण	
(ii)	व्यावसायिक वित्त के स्रोत	
इकाई-5		
23		
(i)	सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम और व्यावसायिक उद्यमिता	
(ii)	आंतरिक व्यापार	

भाग-1-व्यवसाय का आधार-

इकाई-1 **16 अंक**

(i) व्यवसाय, व्यापार और वाणिज्य।

व्यवसाय की अवधारणा, व्यवसायिक क्रियाओं की विशेषताएं – व्यवसाय पेशा एवं रोजगार में अन्तर, व्यवसायिक क्रियाओं का वर्गीकरण – उद्योग, वाणिज्य, व्यापार एवं व्यापार के सहायक क्रियाएं, व्यवसाय के उद्देश्य।

(ii) व्यावसायिक संगठन के स्वरूपः-

एकल स्वामित्व – आशय, लक्षण, गुण एवं सीमाएं।

संयुक्त हिन्दु परिवार व्यवसाय - आशय, लक्षण, गुण एवं सीमाएं। साझेदारी - आशय, लक्षण, गुण, सीमाएं, प्रकार, संलेख, पंजीकरण तथा साझेदारों के प्रकार।

सहकारी संगठन - आशय, लक्षण एवं प्रकार।

संयुक्त पूंजी कंपनी - आशय, लक्षण, गुण तथा सीमाएं, सार्वजनिक एवं निजी कंपनी।

इकाई-2 **16 अंक**

(i) निजी, सार्वजनिक एवं भूमंडलीय उपक्रमः-

निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र - सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के संगठनों के स्वरूप – विभागीय उपक्रम, वैधानिक निगम, सरकारी कंपनियाँ।

भूमण्डलीय उपक्रम – विशेषताएँ, संयुक्त उपक्रम, सार्वजनिक निजी भागीदारी (पी0पी0पी0)

(ii) व्यवसायिक सेवाएँ –

सेवाओं की प्रकृति एवं प्रकार, बैंकिंग – आशय, बैंकों के प्रकार, वाणिज्यक बैंक के कार्य, ई-बैंकिंग, बीमा – आधारभूत सिद्धान्त कार्य एवं प्रकार।

सम्प्रेषण सेवाएँ – डाक सेवा, टेलीकॉम सेवा, परिवहन। भंडारण एवं भंडार गृहों के प्रकार।

इकाई-3 **16 अंक**

(i) व्यवसाय की उभरती पध्दतियाँ:-

ई-व्यवसाय, ई-व्यवसाय बनाम ई-कॉमर्स, ई-व्यवसाय का कार्य क्षेत्र, ई-व्यवसाय के लाभ एवं सीमाएँ। ऑनलाइन लेन-देन। ई-व्यवसाय जोखिम। बाह्यस्रोतिकरण (Outsourcing) – संकल्पना/अवधारणा, कार्यक्षेत्र एवं आवश्यकता।

(ii) व्यवसाय का सामाजिक उत्तरदायित्व एवं व्यवसायिक नैतिकताः-

सामाजिक उत्तरदायित्व – अवधारणा, आवश्यकता, पक्ष एवं विपक्ष में तर्क, सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रकार। व्यवसाय का विभिन्न सम्बन्धित वर्गों के प्रति उत्तरदायित्व, प्रदूषण के प्रकार, पर्यावरण संरक्षण में व्यवसाय की भूमिका।

व्यवसायिक नैतिकता – अवधारणा एवं तत्व।

<u>भाग-2-व्यवसायिक संगठन वित्त एवं व्यापार -</u>

इकाई-4 **16 अंक**

(i) कंपनी निर्माण, कम्पनी की संरचना,

कंपनी प्रवर्तन, समामेलन एवं व्यवसाय का प्रारम्भ, पूंजी अभिदान, प्रमुख प्रलेख – सीमा नियम एवं अंतः नियम।

(ii) व्यवसायिक वित्त के स्रोतः-

व्यवसायिक वित्त का अर्थ, प्रकृति, एवं महत्व। वित्त/धन के स्रोतों का वर्गीकरण। वित्त के स्रोत, कोषों के स्रोत के चयन को प्रभावित करने वाले तत्व।

इकाई-5 **23 अंक**

(i) सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्योग–सामान्य परिचय। भारत में सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम की भूमिका एवं समस्या। उद्यमिता विकास– परिचय एवं विशेषताएं व्यवस्थित गतिविधि, वैध एवं उद्देश्यपूर्ण गतिविधि, नवाचार, उत्पादन प्रबंध, जोखिम उठाना। बौद्धिक सम्पदा अधिकार (I.P.R) आशय (परिचय), महत्व एवं प्रकार–प्रकाशनाधिकार, व्यापार चिन्ह, भौगोलिक संकेत, पेटेंट, डिजाइन, पौधों की किस्में, अर्धचालक एकीकृत परिपथ खाका डिजाइन।

(ii) आंतरिक व्यापारः-

परिचय, थोक व्यापार एवं थोक विक्रेताओं की सेवाएँ। फुटकर व्यापार, फुटकर व्यापारियों की सेवाएँ।

फुटकर व्यापार के प्रकार–भ्रमणशील फुटकर विक्रेता एवं स्थायी दुकानदार (विभागीय भंडार, श्रृंखलाबद्ध भंडार, डाक आदेश गृह, उपभोक्ता सहकारी भंडार, सुपर बाजार, विक्रय मशीन), माल एवं सेवा कर (जी0एस0टी0), इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री का आंतरिक व्यापार के संवर्धन में भूमिका।

(iii) **सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम और व्यावसायिक उद्यमिता।**

इकाई-6 **13 अंक**

(i) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार:-

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का अर्थ, अन्तराष्ट्रीय व्यवसाय में प्रवेश की विधियाँ घरेलू व्यवसाय एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय में अन्तर, अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय के काम।

आयात एवं निर्यात व्यापार - आशय, लाभ, सीमाएं।

संयुक्त उपक्रम - लाभ एवं हानियाँ।

(ii) आयात-निर्यात प्रक्रिया, आयात-निर्यात में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख प्रलेख। विश्व बैंक एवं विश्व बैंक के कार्य तथा इसकी सहयोगी संस्थाएँ।

उपचारात्मक शिक्षण हेतु चार यूनिट टेस्ट निम्नलिखित है–

(i) प्रथम यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)	जुलाई द्वितीय सप्ताह (10 अंक ग्रीष्मावकाश गृहकार्य + 10 अंक यूनिट टेस्ट)	20 अंक
(ii) द्वितीय यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)	अगस्त अन्तिम सप्ताह	20 अंक
(iii) तृतीय यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)	नवम्बर अन्तिम सप्ताह	20 अंक
(iv) चतुर्थ यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)	दिसम्बर अन्तिम सप्ताह	20 अंक

नोट– उपरोक्त यूनिट टेस्ट उपचारात्मक शिक्षण के अन्तर्गत विद्यालय स्तर पर लिये जायेंगे। इनके प्राप्तांक परीक्षफल में सम्मिलित नहीं किये जायेंगे।